



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1
PART I—Section 1
प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 216} नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 25, 1993/कार्तिक 3, 1915
No. 216} NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 25, 1993/KARTIKA 3, 1915

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1993

फा. सं. 1/69/92-स्वा. नि. ब्यू. समन्वय :— औषध दुरुपयोग की समस्या के विभिन्न पहलुओं से निपटने के लिए बर्तमान व्यवस्थाओं की बोधशील समीक्षा करने हेतु जिसमें वैद्य उपयोग पर नियंत्रण तथा विनियमन, अवैद्य उपयोग के निषेध का प्रवर्तन, निविष्टीकरण, औषध व्यवस्थाओं के कल्याण और पुनः स्थापन भी शामिल है, एक उच्च स्तरीय समिति के

गठन से संबंधित दिनांक 10 अगस्त, 1993 के संकल्प में आंशिक संशोधन करते हुए, भारत सरकार एतद्वारा उपर्युक्त संकल्प में निम्नलिखित संशोधन करती हैः—

पैराग्राफ 2 की क्रम सं. (17) के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :—
“(17) सदस्य (तस्करी निरोधक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोई”

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति सभी संबंधितों को परिचालित की जाए तथा भारत के राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाए।

ए. के. श्रीवास्तव, संघकर्ता सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

RESOLUTION

New Delhi, the 25th October, 1993

F. No. I|69|92-NCB-Coord.— In partial modification of the Resolution dated 10th August, 1993 relating to constitution of a High Level Committee to undertake a comprehensive review of the present arrangements for dealing with the various aspects of the problem of drug abuse including regulation and control of licit use, enforcement of prohibition of illicit use, and detoxification, welfare and rehabilitation of drug addicts, the Government of India hereby makes the following amendment in the above said resolution :—

For serial number (xvii) of paragraph 2, the following entry shall be substituted :—

“(xvii) Member (Anti-Smuggling), Central Board of Excise and Customs”

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

A. K. SRIVASTAVA, Jt. Secy.